चंद्रभानु गुप्त कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय में लोकबंधु की मनाई गई पुण्यतिथि

सूबे की आवाज़/संवाददाता

लखनऊ। बख्शी का तालाब स्थित चंद्रभानु गुप्त कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय में लोकबंधु राजनारायण जी के पुण्यतिथि पर उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया तथा उनके विचारों पर चर्चा हुई। चंद्रभानु गुप्त कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि लोकबंधु राजनारायण जी का श्रद्धेय बाबू भगवती सिंह जी से बहुत अच्छे संबंध थे उन्होंने एक बार चर्चा में बताया था कि वर्ष 1939-44 काशी हिंदू विश्वविद्यालय के राज नारायण जी छात्र थे और छात्रसंघ अध्यक्ष भी। उन्होंने अपने विद्रोही तेवरों से स्वतंत्रता आंदोलन को कुछ ऐसी तीखी धार दी कि ब्रिटिश सरकार हिल उठी। उस दौर में पांच हजार के इनाम के साथ उनकी जिंदा या मुर्दा गिरफ्तारी का परवाना जारी हुआ। इसी बीच वह गिरफ्तार हुए और उन्हें जेल भेज दिया गया। बाबू भगवती सिंह कहते थे कि

लोकबंधु के नाम से चर्चित राजनारायण का यह पहला आंदोलन और पहली जेल यात्रा थी। इसके बाद तो स्वतंत्रता मिलने के बाद भी उनके विद्रोही तेवरों ने आजीवन चैन से बैठने नहीं दिया। संघर्ष यात्रा के दौरान उन्होंने लगभग सात सौ आंदोलनों का नेतृत्व किया, करीब 80 बार जेल गए। कृषि महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी शिवमंगल चौरसिया जितेन्द्र बाजपेई, हयात सिंह, शिव बहादुर सिंह चौहान, रणजीत सिंह, प्रदीप कुमार सिंह, राम नरेश यादव, हॉस्टल अधीक्षक मनोज कुमार सिंह सहित सभी लोगों ने उनकी मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र छात्राओ ने भी उनकी मूर्ति पर पुष्प अर्पित किए।